हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 26 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 35 .5 डिग्री से.
न्यूनतम 24 .7 डिग्री से.

12 श्मशानघाट की मुख्य सड़क पर पानी जमा

12 कारगिल दिवस देश के प्रति संकल्प लेने का ...

खबर संक्षेप

एंबुलेंस चालक पर हमला, 3 नामजद

यमुनानगर। गांव पालेवाला में पुरानी रंजिश के चलते एंबुलेंस चालक पर हमला करने का मामला सामने आया है। गांव बनूड निवासी अमरजीत ने जठलाना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि धर्मपाल, संजीव और जगतार सिंह उससे एंबुलेंस चलाने को लेकर रंजिश रखते थे। 24 जुलाई की रात वह एंबुलेंस लेकर गांव पहुंचा तो आरोपियों ने चार-पांच साथियों के साथ मिलकर लोहे की रॉड, तेजधार हथियार और डंडों से हमला कर दिया। हमले में वह घायल हो गया तथा एंबुलेंस के शीशे भी तोड़ दिए गए। पुलिस ने तीन नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

रास्ता रोककर किशोरी से अपशब्द बोलने पर केस

यमुनानगर। कस्बा छछरौली में युवक द्वारा किशोरी को जबरदस्ती रास्ते में रोककर उसे अपशब्द बोलने का आरोप लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। छछरौली की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी कस्बे के एक स्कूल में पढ़ती है। 24 जुलाई को लड़की स्कूल से घर लौट रही थी। इस दौरान समीर नामक युवक ने लड़की का पीछा कर जबरदस्ती रास्ते में रोक लिया। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की। उसकी लड़की के विरोध करने पर आरोपी ने उसे अपशब्द बोले। शोर सुनकर जब अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी मौके से फरार हो गया। लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी समीर के खिलाफ 12 पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

स्टडी वीजा के नाम पर हड़पे 13 लाख, 4 पर केस

यमुनानगर। यमुनानगर। स्टडी वीजा पर इंग्लैंड भेजने का झांसा देकर 13 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। शहर की चुना भट्टी कॉलोनी निवासी पलक की शिकायत पर पुलिस ने बलराम, कीर्ति बरोत, उज्जवल और तनु के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, फरवरी में उसकी मुलाकात आरोपियों से हुई थी। उन्होंने खुद को स्टडी वीजा पर विदेश भेजने का काम करने वाला बताकर इंग्लैंड भेजने का भरोसा दिया और 13 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो वीजा मिला और न ही रकम लौटाई गई।

लेबर दिलाने के नाम पर 8.80 लाख की ठगी, केस

यमुनानगर। ईंट भट्टे पर काम के लिए लेबर उपलब्ध कराने का झांसा देकर 8.80 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। मॉडल कॉलोनी निवासी हरमिंदर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जुलाई 2025 में उसकी मुलाकात शाकिर से हुई थी। आरोपी ने भट्टे के लिए मजदूर उपलब्ध कराने का भरोसा देकर उससे 8.80 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो लेबर उपलब्ध कराई गई और न ही रकम लौटाई गई। बाद में आरोपी ने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कंडक्टर के घर से गहने व नगदी चोरी

समालखा। गांव महावटी में चोरों ने रोडवेज विभाग में परिचालक गांव महावटी निवासी सतीश कुमार के घर से 80 हजार रुपये की नकदी, दो सोने की अंगूठियां, सोने का हार, सोने का मंगलसूत्र, टीका, एक जोड़ी झुमकी, चांदी की तागड़ी तथा एक चांदी का गुच्छा चोरी कर लिए। सतीश की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात पर चोरी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मैंगो मेला किसान की मेहनत का सम्मान, हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव

- लाडवा के उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र में तीन दिवसीय 8वें मैंगो मेले के समापन पर बोले कृषि मंत्री
- 200 से अधिक आम की किस्मों की प्रदर्शनी, किसानों के नवाचार और परिश्रम की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

कुरुक्षेत्र। किसानों को सम्मानित करते कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यह मेला किसान की मेहनत का सम्मान और हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहा है। इस यात्रा की सबसे बड़ी ताकत हमारे गांव, किसान और कृषि हैं। किसान की मेहनत का पूरा मूल्य तभी मिलेगा, जब वह बाजार की ताकत भी बने। इसी सोच के तहत देशभर में फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में बढ़ावा दे रहे हैं। छोटे किसानों के जुड़ने से लागत घटती है और आय बढ़ती है। कैबिनेट मंत्री शनिवार को लाडवा स्थित उप-उष्णकटिबंधीय फल केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय 8वें मैंगो मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने उपकेंद्र की नर्सरी का निरीक्षण कर पौधे तैयार करने की विधि की जानकारी ली। उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और आम की विभिन्न किस्मों में गहरी रुचि दिखाई।

एआई का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा

श्याम सिंह राणा ने कहा कि मैंगो मेले में 200 से अधिक आम की किस्में प्रदर्शित की गई हैं, जो किसानों के अनुभव, नवाचार और परिश्रम का परिणाम हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए खेती को भी भविष्य के अनुरूप ढालना होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा कर रही है और इसका सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। यदि मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी, सिंचाई का सही समय, लाभकारी फसल, रोगों के संकेत और मंडी की मांग की जानकारी पहले ही मिल जाए, तो समय बचेगा, लागत घटेगी और किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

महानिदेशक ने किया अतिथियों का स्वागत

मुख्यमंत्री के एडीसी महेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों को गेहूं और धान के साथ-साथ बागवानी को भी अपनाना चाहिए। इससे फसल चक्र में सुधार होगा और भूमि की उर्वरता बढ़ेगी। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में किसानों के हित में कई लाभकारी योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ उठाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत किया और उपकेंद्र तथा प्रदेश में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मिशन डायरेक्टर डॉ. मनोज कुमार, चेयरमैन डॉ. गणेश दत्त, उपनिदेशक पिंकी यादव, डॉ. सतेंद्र सिंह शिवेंदु, डॉ. बिल्लू यादव, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, नरेंद्र दबखेड़ा, पूनम सैनी, सन्नी कालड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर सांझा मोर्चे के नेतृत्व में अलग-अलग जिलों से आए सैकड़ों रोडवेज कर्मी

रोडवेज कर्मचारियों का उग्र प्रदर्शन, बैरिकेड तोड़ परिवहन मंत्री के आवास का किया घेराव

- बैरिकेड हटाने को लेकर पुलिस और कर्मचारियों के बीच हुई धक्का-मुक्की
- अनिल विज ने खुद लिया ज्ञापन, 15 दिन में बैठक बुलाकर मांगों पर विचार का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। बैरिकेड हटाते व प्रदर्शन करते कर्मचारी व ज्ञापन लेते मंत्री अनिल विज।

फोटो: हरिभूमि

मांगों को लेकर सांझा मोर्चे के नेतृत्व में शनिवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए सैकड़ों रोडवेज कर्मचारियों ने परिवहन मंत्री अनिल विज के आवास का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान जब अधिकारियों ने कर्मचारियों से ज्ञापन लेने का प्रयास किया तो कर्मचारियों ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार और मंत्री के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कर्मचारियों ने माइक के माध्यम से अनिल विज से स्वयं ज्ञापन लेने की मांग की और इसके लिए आधे घंटे का अल्टीमेटम दिया। जब मंत्री बाहर नहीं आए तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। कर्मचारी उग्र हो गए और उन्होंने विज आवास की ओर बढ़ने का निर्णय लिया। एक तरफ पुलिस प्रशासन और दूसरी तरफ आक्रोशित रोडवेज कर्मचारी आमने-सामने आ गए। बैरिकेड तोड़ने को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर टकराव हुआ। गुस्साए कर्मचारियों ने पहली बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद उन्होंने दूसरी बैरिकेडिंग हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी धक्का-मुक्की हुई। हालांकि, बाद में पुलिस अधिकारियों के समझाने पर कर्मचारी शांत हुए। बिगड़ते माहौल को देखते हुए परिवहन मंत्री अनिल विज खुद बाहर आए। उन्होंने रोडवेज कर्मचारियों की बातें सुनीं और उनसे ज्ञापन लिया। मंत्री ने कर्मचारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि अगले 15 दिन के भीतर बैठक बुलाकर उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इससे पहले परिवहन मंत्री अनिल विज के अंबाला छावनी स्थित शास्त्री कॉलोनी आवास के बाहर भारी संख्या में रोडवेज कर्मचारी जमा हो गए थे। हालांकि मुख्यद्वार पर प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों हरियाणा रोडवेज कर्मचारियों के बीच उस समय माहौल बदल गया, जब मंत्री अनिल विज खुद ज्ञापन लेने के लिए उनके बीच पहुंच गए।

विस्तार से सुनी परिवहन मंत्री ने बात

प्रदेशभर से आए हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के सदस्यों की बात मंत्री अनिल विज ने विस्तार से सुनी और उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचते ही परिवहन मंत्री अनिल विज ने खुद ज्ञापन लिया। उन्होंने कर्मचारी नेताओं से ज्ञापन लेते हुए कहा कि वह उनकी बात सुन रहे हैं। विज ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि कर्मचारियों की कितनी यूनियन हैं, लेकिन उन्होंने पहले सभी यूनियनों को बुलाकर उनकी बात सुनी है। इसी तरह अब वह प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों की मांगों को भी सुनेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी 15 दिन के भीतर बैठक बुलाकर मांगों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कुवि ने घोषित किए 22 परीक्षाओं के परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने मई-2026 एवं दिसंबर-2025 परीक्षा सत्र के 22 परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि घोषित परिणामों में मई 2026 में आयोजित बीपीएड चौथा सेमेस्टर (फ्रेश एवं री-अपीयर), बीएचएमसीटी द्वितीय सेमेस्टर (री-अपीयर, नॉन-सीबीसीएस), बीएचएमसीटी चौथा सेमेस्टर (सीबीसीएस), एमएससी जूलॉजी चौथा सेमेस्टर (एनईपी एवं सीबीसीएस री-अपीयर), बीए-एलएलबी दसवां सेमेस्टर, एमए वूमेन स्टडीज द्वितीय सेमेस्टर, बीवोक इन सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट छठा सेमेस्टर, एमएससी फॉरेंसिक साइंस द्वितीय सेमेस्टर, बीएससी इंटीरियर डिजाइन चौथा सेमेस्टर (एनईपी), एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस, एमए फिलॉसफी चौथा सेमेस्टर तथा ज्ञानी की परीक्षाएं (मई-2026 सत्र) शामिल हैं। बीकॉम भाग-3 (डीडीई), बीएड प्रथम वर्ष (सीडीओई, फ्रेश एवं री-अपीयर), एमएससी स्टैटिस्टिक्स प्रथम एवं चतुर्थ सेमेस्टर (स्पेशल), बीए-बीएड पांचवां एवं सातवां सेमेस्टर (एचकेसीएल), बीएससी. (बायोकेमिस्ट्री मेजर) प्रथम सेमेस्टर, चार वर्षीय एकीकृत बीए-बीएड तृतीय सेमेस्टर तथा बीसीए (इंडस्ट्रियल लिंक्ड) प्रथम सेमेस्टर के परिणाम भी घोषित किए गए हैं।

शादी छिपाकर युवती से की लव मैरिज, गर्भवती होने पर खुला राज

- बेटी के जन्म के बाद भी नहीं ले गया घर, विरोध करने पर मारपीट कर निकाला
- पिहोवा में युवक पर धोखे से शादी करने और मारपीट करने का आरोप, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र जिले में एक युवक द्वारा अपनी पहली शादी छिपाकर युवती से लव मैरिज करने का मामला सामने आया है। युवती को आरोपी की सच्चाई तब पता चली, जब वह करीब सात महीने की गर्भवती थी। पीड़िता की शिकायत पर थाना सिटी पिहोवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना सिटी पिहोवा के एसएचओ सुनील वत्स ने बताया कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपी उसके पड़ोस में काम करने के लिए आया था। इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और बाद में प्रेम संबंध बन गए। आरोपी ने खुद को अविवाहित बताते हुए उसे शादी का भरोसा दिलाया और अपने साथ दिल्ली ले गया, जहां दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली।पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद वह आरोपी के साथ दिल्ली में रहने लगी। जब वह करीब सात महीने की गर्भवती थी, तब उसे पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसकी पहली पत्नी से तीन बच्चे हैं। पूछताछ करने पर आरोपी ने दावा किया कि उसका पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। शिकायत के अनुसार, शादी के करीब एक साल बाद पीड़िता ने एक बेटी को जन्म दिया। इसके बावजूद आरोपी उसे अपने पैतृक घर नहीं ले गया। काफी दबाव बनाने के बाद आरोपी उसे अपने घर लेकर आया, जहां उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने बताया कि करीब तीन महीने पहले वह रसोई में काम कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उससे पैसों की मांग की। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी बांह मरोड़ दी और उसे घर से निकाल दिया।एसएचओ सुनील वत्स ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो मामले, आरोपियों पर केस

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र में दो युवतियों से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पहले मामले में एक गांव निवासी युवती ने शिकायत दी कि उसकी जान पहचान गुरमन सिंह से हुई थी। आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर 12 मई को जगाधरी बस स्टैंड से होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। दूसरे मामले में एक कॉलोनी निवासी युवती ने नियाजुद्दीन पर वर्ष 2019 से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपी युवक और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करनाल में एसडीएम की सरकारी स्कूल में अचानक एंट्री, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। गांव लालूपुरा के राजकीय उच्च विद्यालय में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते एसडीएम राजेश सोनी।

घरौंडा क्षेत्र के गांव लालूपुरा स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में एसडीएम राजेश सोनी ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, प्रार्थना सभा, मिड-डे मील, कक्षाओं और स्कूल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ शिक्षक देरी से पहुंचे, जिस पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। स्कूल में खराब पंखे, बिजली व्यवस्था, कंप्यूटर लैब और शौचालयों में सुधार की जरूरत मिली। एसडीएम ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई का स्तर भी जांचा। उन्होंने पौधारोपण अभियान चलाने और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

प्लॉट धोखाधड़ी में मुख्य आरोपी पकड़ा, 7 लाख हड़पने का आरोप

अंबाला। प्लॉट की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी कर 7 लाख रुपये हड़पने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अमनप्रीत सिंह ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने प्लॉट बिक्री को लेकर उसके साथ इकरारनामा किया था और करीब 7 लाख रुपये ले लिए थे। इसके बाद आरोपी ने इकरारनामे का उल्लंघन करते हुए प्लॉट की रजिस्ट्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम करवा दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मोहाली से लापता 3 साल का बच्चा अंबाला कैंट स्टेशन से बरामद

7 घंटे में पुलिस ने बच्चे को तलाशा

- अनजान के साथ पिता ने पी थी शराब, चिप्स दिलाने के बहाने बच्चा लेकर आरोपी फरार

रेलवे स्टेशन से बरामद बच्चा

सीसीटीवी में बच्चे को ले जाता दिखा संदिग्ध, चिप्स दिलाने के बहाने ले गया था साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मोहाली के खरड़ से अपहृत 3 वर्षीय बच्चे को पुलिस ने करीब सात घंटे में अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों के हवाले कर दिया है। वहीं, बच्चे को ले जाने वाला आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। मामला सन्नी एनक्लेव का है। पुलिस के अनुसार, धर्मेंद्र का 3 वर्षीय बेटा बॉबी देवा अचानक घर से गायब हो गया था। जांच में पता चला कि धर्मेंद्र की मुलाकात एक अनजान व्यक्ति से हुई थी और दोनों ने शराब पी थी। धर्मेंद्र के सोने के बाद आरोपी बच्चे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें संदिग्ध बच्चे को ले जाता दिखाई दिया। आरोपी ने बच्चे को चिप्स भी दिलाए थे। जांच में आरोपी के बिहार के बेगूसराय जाने की आशंका पर पुलिस टीम अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची। तलाशी के दौरान बच्चा अकेला मिला। पुलिस ने बच्चे को देर रात माता-पिता को सौंप दिया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

सावन में जलाभिषेक, बेलपत्र और महामृत्युंजय मंत्र जप का विशेष महत्व

सच्चे मन से शिव उपासना करने से दूर होती हैं बाधाएं, मिलती है सुख समृद्धि

30 जुलाई से सावन आरंभ, जलाभिषेक और शिव पूजा का बनेगा शुभ संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हिंदू धर्म में सावन माह का विशेष महत्व है। भगवान शिव का अत्यंत प्रिय माह का आरंभ श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि के साथ आरंभ हो जाता है, जो श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि के साथ समाप्त होता है। इस दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करना बेहद शुभ माना जाता है। श्रावण माह के दौरान शिवलिंग में जलाभिषेक, दूध अभिषेक करने से लेकर धतूरा, बेलपत्र, गन्ने का रस, आक का फूल आदि चढ़ाने से वह अति प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। इसके साथ ही श्रावण माह में पड़ने वाले सोमवार विशेष माने जाते हैं। पंचांग के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास के कृष्ण प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई को रात 8:05 बजे से प्रारंभ हो रही हैं, जो 30 जुलाई को रात 9:30 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के हिसाब से सावन माह का आरंभ 30 जुलाई 2026, गुरुवार से होगा। इसका समापन श्रावण पूर्णिमा तिथि के दिन होगा। बता दें कि श्रावण पूर्णिमा 27 अगस्त सुबह 9:08 बजे से आरंभ होकर 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे तक रहेगी। 27 अगस्त को सुबह से रात्रि 9-46 तक भद्रा होने के कारण रक्षाबंधन अगले दिन 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

पूजा से शादी-विवाह में आ रही बाधाएं होती हैं दूर

डॉ रामराज कौशिक

गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के संचालक डॉ रामराज कौशिक ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान निकला हलाहल विष भगवान शिव ने इसी सावन मास में अपने कंठ में धारण किया था। विष के प्रभाव और ताप को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन पर जल अर्पित किया था। इसी परंपरा के तहत सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने की विशेष मान्यता है। रामराज कौशिक ने बताया कि माना जाता है कि सावन में शिवजी की सच्चे मन से पूजा करने से शादी-विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए और कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने के लिए सावन सोमवार का व्रत रखती हैं। इस पवित्र महीने में जलाभिषेक और महामृत्युंजय मंत्र का जप करने से सभी कष्टों और पापों से मुक्ति मिलती है।

सोमवार सावन चार व्रत पड़ेंगे

- पहला सावन सोमवार- 3 अगस्त
- दूसरा सावन सोमवार- 10 अगस्त
- तीसरा सावन सोमवार- 17 अगस्त
- चौथा सावन सोमवार- 24 अगस्त

सावन में शिवलिंग पूजा और जलाभिषेक विधि

सावन के दौरान प्रतिदिन या विशेष रूप से सोमवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान के बाद ही पूजा की शुरूआत करनी चाहिए. प्रातःकाल स्नान के बाद साफ वस्त्र धारण करें और शिव मंदिर जाएं या घर पर ही पार्थिव शिवलिंग बनाएं. फिर, सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल, फिर गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से अभिषेक करें. अंत में फिर से शुद्ध जल अर्पित करें।इसके बाद शिवजी को उनका प्रिय बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमी के पत्ते, श्वेत फूल और भस्म चढ़ाएं. पूजा के दौरान ऊं नमः शिवाय मंत्र का निरंतर जप करें. शिव चालीसा का पाठ करें और अंत में कपूर से आरती करें. भगवान भोलेनाथ को फल, मिठाई या हलवे का भोग लगाएं।

पुलिस प्रशासन ने ठगों से सतर्क रहने के लिए जारी की विशेष एडवाइजरी

एसआईआर फार्म के बहाने ओटीपी मांग कर ठगी कर रहे साइबर अपराधी: गोयल

फोन कॉल, व्हाट्सएप संदेश और एसएमएस भेज कर मतदाता सूची से नाम कटने का भय दिखा रहे हैं साइबर ठग

कमलदीप गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

देश के विभिन्न राज्यों में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान साइबर अपराधी सक्रिय हो गए हैं। साइबर अपराधी लोगों को वोटर आईडी कार्ड निरस्त होने का भय दिखाकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। इस संबंध में पुलिस प्रशासन ने विशेष एडवाइजरी जारी कर नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी साझा न करने का अनुरोध किया है। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने जारी की गई एडवाइजरी की जानकारी दी है।

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया चलाकर राज्यों में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का कार्य चलाया जा रहा है। इसी प्रक्रिया का फायदा उठाकर साइबर ठग खुद को चुनाव आयोग, बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ अथवा सरकारी कर्मचारी बताकर लोगों को फोन कॉल, व्हाट्सएप संदेश और एसएमएस भेज रहे हैं। इन संदेशों में दावा किया जाता है कि यदि निर्धारित समय में एसआईआर फार्म नहीं भरा गया तो संबंधित व्यक्ति का वोटर कार्ड रद्द हो सकता है।

उन्होंने बताया की साइबर अपराधी लोगों से फार्म सत्यापन या पंजीकरण के नाम पर मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी, आधार संख्या, बैंक खाते की जानकारी, डेबिट क्रेडिट कार्ड विवरण और अन्य गोपनीय सूचनाएं मांगते हैं। जैसे ही व्यक्ति यह जानकारी साझा करता है। उसके बैंक खाते, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन खातों तक अपराधियों की पहुंच बन सकती है। साइबर अपराधी कुछ मामलों में एसआईआर अपक नामक की फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड और इंस्टॉल करने के लिए भी कहते हैं। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताा कि यह एप मोबाइल में इंस्टॉल होते ही उपभोक्ता के फोन का नियंत्रण अपराधियों के हाथो मे आ जाता है। जिससे वित्तीय नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है। पुलिस प्रशासन ने एडवाइजरी में स्पष्ट किया है कि चुनाव आयोग या कोई भी सरकारी एजेंसी फोन कर कभी भी ओटीपी, बैंकिंग विवरण अथवा पासवर्ड नहीं मांगती है।

नागरिक केवल अधिकृत माध्यमों से ही एसआईआर फार्म फार्म प्राप्त करें और भरें। यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक प्राप्त होता है तो उसे तुरंत नजर अंदाज करें और संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

अनजान लिंक पर न करें क्लिक : पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने आमजन को साइबर फ्राड से बचने के लिए नसीहत देते हुए कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। मोबाइल में अज्ञात स्रोत से कोई एप डाउनलोड न करें तथा फोन पर प्राप्त ओटीपी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। ऐसा करने से आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। साथ ही अपने मोबाइल और बैंकिंग खातों की सुरक्षा सुरक्षित रखने के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन लॉक का उपयोग करें। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं सतर्क रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी इस प्रकार की साइबर ठगी के प्रति जागरूक करें। क्योंकि सतर्कता और जागरुकता ही साइबर ठगी से बचाव का बेहतरीन माध्यम है।

न्यूज डायरी

स्कूल में धूमधाम से मनाया गया पीला दीवस

यमुनानगर। स्टार वे सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुर्दी में शनिवार को पीला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नन्हें मुन्ने बच्चों ने पोस्टरों पर जहां पीले रंग की आकृतियां बनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। वहीं, नन्हें मुन्ने बच्चों ने पीले रंग पर कविताएं सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने किया।प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने बताया कि शनिवार को स्कूल में सभी नन्हें मुन्ने और बड़े बच्चे पीले रंग के वस्त्र पहन कर पहुंचे। इस दौरान पूरा स्कूल परिसर बच्चों द्वारा पहनी गई पीली वेशभूषा से पीलामय बना रहा। मौके पर बच्चों ने पोस्टरों पर पीले फलों की आकृतियां बनाकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर नर्सरी कक्षा की अध्यापिका नीरू, रूपा, उर्वशी व कर्मजीत कौर आदि ने बच्चों को पीले दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

वेस्ट सामग्री से बनाईं आकर्षक कलाकृतियां

यमुनानगर। नगर निगम यमुनानगर द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मॉडल टाउन स्थित एमएलएन पब्लिक स्कूल में वेस्ट टू वंडर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अनुपयोगी सामग्री से तैयार की गाई आकर्षक, सजावटी व उपयोगी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वच्छ भारत मिशन के आईईसी विशेषज्ञ दुर्गेश कुमार ने की। आईईसी विशेषज्ञ दुर्गेश कुमार ने बताया कि बच्चों ने बेकार सामान से आकर्षक कलाकृतियां बनाकर संदेश दिया कि घरों और अन्य स्थानों से निकलने वाले बेकार सामान को फेंकने के बजाय दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने रीड्यूज, रियूज और रिसाइकल की अवधारणा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। आईईसी विशेषज्ञ दुर्गेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ शहर की शुरुआत हर घर से होती है। यदि नागरिक अपने घर का कचरा निर्धारित श्रेणियों में अलग करके दें तो कचरा प्रबंधन प्रणाली अधिक प्रभावी होगी। स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें स्वच्छता का यह संदेश समाज में आगे प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया।

भगवान कृष्ण ने दिया है कर्म करने का संदेश

रादौर। श्रीराधा कृष्ण मंदिर रादौर में पांच दिवसीय श्री व्यास पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। महोत्सव के अवसर पर शुरु की गई श्री कृष्ण कथा के प्रथम दिन कथाव्यास एवं आचार्य पंडित भगवती प्रसाद शुक्ल ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का रसपान करवाया। फरमाया कि भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म करने की ओर संकेत किया है। उन्होंने सभी को धर्म की स्थापना के लिए कर्म किए जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में माता देवकी और पिता वासुदेव के यहां भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को हुआ था। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीला अपरंपार है। हमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गीता ज्ञान का अनुपरण करना चाहिए। मौके पर भजनों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का गुणगान किया गया। जिन्हें श्रवण कर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। आचार्य पंडित भगवती प्रसाद शुक्ल ने बताया कि 29 जुलाई को श्री व्यास पूर्णिमा पर सुबह 7 बजे पूजन एवं हवन, 9 बजे गुरु पूजा व 10 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा।

छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

रादौर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के जंतर मंतर पर छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में रादौर में रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस (ग्रामीण) के जिला प्रधान नरपाल सिंह गुर्जर व हल्का प्रधान गुलजार सिंह नंबरदार के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ता पार्टी के ग्रामीण जिला प्रधान नरपाल सिंह गुर्जर व हल्का प्रधान गुलजार सिंह नंबरदार के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय के समक्ष पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। इस अवसर पर विक्रम सैनी, संग्राम सिंह राणा, भाकियू जिला प्रधान संजू गुंदियाना, नवाब सिंह गुंदियाना, रणधीर सिंह अलीपुरा, संजू धौलरा, देवेंद्र लक्की रादौर, उमेश बुबका, सतीश दत्ताना, सुरेश पाल व छोटे लाल आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी: नेपाल

यमुनानगर। नगर खेड़ा सेवा ट्रस्ट ससौली द्वारा शनिवार को गांव ससौली के लंगर हाल परिसर में पौधारोपण अभियान चलाकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान का शुभारंभ हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा के सुपुत्र एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल सिंह राणा ने अर्जुन का पौधा लगाकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के संस्थापक एडवोकेट धर्मजीत सिंह ससौली ने ने की। मौके पर ट्रस्ट के सदस्यों ने सैंकड़ो पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने का संकल्प लिया। मौके पर सिमरत सिंह, सुखबीर सिंह, अजय, सरबजीत, निर्मय सिंह, टोनी कश्यप, कुलविंदर सिंह, सुनील कुमार,विक्की सिसौली व परमजीत आदि मौजूद रहे।

आपदा के समय सूझबूझ ही सबसे बड़ा बचाव: नेहा

रादौर। लाइक पब्लिक स्कूल में शनिवार को फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या नेहा देवी ने किया। विद्यालय की प्राचार्या नेहा देवी ने बताया कि कार्यक्रम आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत मॉक ड्रिल के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विद्यालय परिसर में आग लगने की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई। जिसके बाद निर्धारित आपातकालीन प्रक्रिया के अनुसार विद्यार्थियों एवं स्टाफ को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया। इस दौरान सभी को घबराहट से बचते हुए अनुशासन बनाए रखने, आपातकालीन निकास मार्ग का सही उपयोग करने तथा समय पर उचित निर्णय लेने का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में अग्निशामक यंत्र के सही एवं सुरक्षित उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी आपदा के समय सूझबूझ, सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्हें आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों, आपातकालीन हेल्पलाइन तथा प्राथमिक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

खबर संक्षेप

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम कल

यमुनानगर। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम परिचालन परिमंडल यमुनानगर द्वारा कार्यकारी अभियंता आपरेशन डिवीजन कार्यालय में 27 जुलाई को बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने के लिए फोरम का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी निगम के अधीक्षक अभियंता मनिंदर सिंह ने दी। निगम के अधीक्षक अभियंता मनिंदर सिंह बताया कि आम उपभोक्ताओं की बिजली संबंधित शिकायत निवारण हेतु उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम के चेयरपर्सन योगराज द्वारा 27 जुलाई को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक कार्यकारी अभियंता ऑपरेशन डिवीजन उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम यमुनानगर में आयोजित फोरम में भाग लेंगे।

नशा तस्कर युवाओं का भविष्य कर रहे बर्बाद

यमुनानगर। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार आईपीएस के दिशा निर्देशों में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय गुलाबगढ़ चुहड़पुर कलां में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य कुंदन सिंह दिगारी ने की। वहीं, मुख्य वक्ता के रुप में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉ.अशोक कुमार वर्मा ने भाग लिया। मुख्यातिथि एवं कंट्रोल ब्यूरो के पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को भी कमजोर करता है। यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी तो देश का भविष्य सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध होगा।

जलभराव रोकने को भूमिगत नालों के मुहाने पर लगेंगे स्क्रीनिंग जाल

मेयर सुमन बहमनी ने शहर के मुख्य नालों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। मुख्य नाले पर लगाए गए स्क्रीनिंग जाल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण करतीं मेयर सुमन बहमनी।

मानसून के दौरान शहर को जलभराव की समस्या से मुक्ति दिलाने और जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने के लिए नगर निगम एक्शन मोड में आ गया है। बारिश के मौसम में जल निकासी को लेकर निगम प्रशासन ने धरातल पर काम तेज कर दिया है। इसी कड़ी में मेयर सुमन बहमनी ने जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 से लेकर प्रोफेसर कॉलोनी तक जाने वाले मुख्य नाले की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि मानसून के दौरान शहरवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। नगर निगम की टीमें 24 घंटे अलर्ट पर रहेंगी और सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में ऐसे सभी स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां नालों का पानी सीधे सीवरेज या अंडरग्राउंड नालों में प्रवेश करता है। उन सभी स्थानों पर प्राथमिकता के आधार पर मजबूत स्क्रीनिंग जाल लगाए जाएं। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नालों में बहकर आने वाला प्लास्टिक, पॉलिथीन और अन्य ठोस कचरा अक्सर अंडरग्राउंड नालों और सीवरेज में जाकर उन्हें पूरी तरह ब्लॉक कर देता है। जिससे जल निकासी ठप हो जाती है। स्क्रीनिंग जाल लगने से कचरा बाहर ही रुक जाएगा और पानी का बहाव बाधित नहीं होगा।

बारिश के दौरान तैनात रहेंगे कर्मचारी

मेयर सुमन बहमनी ने प्रत्येक स्क्रीनिंग जाल पर बारिश के दौरान कम से कम एक सफाई कर्मचारी की नियमित तैनाती सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कर्मचारी जाल में फंसने वाले कचरे को तुरंत बाहर निकालेगा। ताकि पानी का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहे और आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा न हो।

कृषि को रोजगार का बनाया जाए माध्यम

यमुनानगर। कृषि विज्ञान केंद्र दामला में 31वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्यातिथि के रुप में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र दामला के समन्वयक डॉ.संदीप रावल ने की। मुख्यातिथि डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों का उद्देश्य केवल तकनीक का प्रसार करना ही नहीं है। बल्कि किसानों की वास्तविक समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक, विभिन्न विभाग एवं किसान यदि समन्वित रूप से कार्य करें तो कृषि अधिक लाभकारी, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बन सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र की गतिविधियों का लाभ भूमिहीन कृषकों, लघु एवं सीमांत किसानों, महिलाओं और ग्रामीण युवाओं तक समान रूप से पहुंचे। उन्होंने कहा कि कृषि को रोजगार एवं उद्यमिता का मजबूत माध्यम बनाया जाए। उन्होंने किसानों से कहा कि वह धान,गेहूं आधारित पारंपरिक फसल चक्र से आगे बढ़ते हुए दलहन, तिलहन, मोटे अनाज, बागवानी, सब्जी उत्पादन, औषधीय एवं सुगंधित पौधों, कृषि वानिकी तथा पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन एवं डेयरी जैसी एकीकृत कृषि प्रणालियों को अपनाएं। इससे जोखिम कम होगा और आय में वृद्धि होगी तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी संभव होगा। वहीं, केंद्र के समन्वयक डॉ. संदीप रावल ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप आगामी वर्ष की कार्ययोजना तैयार करना, नवीन कृषि तकनीकों के प्रसार को गति देना तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीति निर्धारित करना रहा।

हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाना प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य: राणा

- अलाहर में 5 .63 करोड़ की लागत से बनने वाले प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र का मंत्री श्याम सिंह राणा ने किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

यमुनानगर। गांव अलाहर में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र का शिलान्यास करने के दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उदेश्य प्रत्येक नागरिक तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। प्रदेश सरकार गांवो और शहरों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उक्त शब्द शनिवार को गांव अलाहर में 5 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से लगभग डेढ़ एकड़ भूमि में बनने वाले प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र का शिलान्यास करते हुए कहे।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र के बनने से लोगों को उनके घरद्वार पर ही स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण स्तर पर लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। इस दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के निर्माण से आसपास के गांवों के हजारों लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को समय पर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए नए अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की जा रही है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए हमें योग भी करने चाहिए।

आपात स्थिति से निपटने के लिए 30 जुलाई से 11 अगस्त तक चौकस रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को लेकर तैनात किए गए ड्यूटी मजिस्ट्रेट

यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सुविधा का रखा जाएगा पूरा ख्याल

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

जिलाधीश प्रीति

कांवड़ यात्रा को लेकर जिले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने व किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 30 जुलाई से 11 अगस्त तक जिले में रात दिन के लिए अलग अलग स्थानों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। उक्त जानकारी जिलाधीश प्रीति ने दी है।

जिलाधीश प्रीति ने बताया कि कावड़ यात्रा के दौरान लाखों की संख्या में कावड़िये हरिद्वार से पवित्र जल लेकर जिला के विभिन्न मार्गों से होते हुए अपने गन्तव्य की ओर जाएंगे। जिसके लिए उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 16(1)व 17(2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जिला के अधिकार क्षेत्र के सभी थाना क्षेत्रों के तहत 30 जुलाई से 11 अगस्त तक दिन व रात में किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने व कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए जिला के अलग अलग स्थानों पर डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जिनके द्वारा कानून व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

बुड़िया, रादौर व साढ़ौरा में इनकी रहेंगी तैनाती: जिलाधीश प्रीति ने बताया कि बुड़िया थाना में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रुप में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक पशुपालन एवं डेयरी विभाग साबापुर के पशुशल्य चिकित्सक डॉ. नन्द किशोर व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक सरस्वती हैरिटेज जगाधरी के उपमण्डल अधिकारी धर्मपाल, रादौर में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक पशुपालन एवं डेयरी विभाग झीवरहेड़ी के पशुशल्य चिकित्सक डॉ. नितिन, जठलाना में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयुष विभाग अलाहर के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय सिंह व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक आयुष विभाग मोहडी के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. आकाश अग्रवाल ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रुप में तैनात रहेंगे। इसी प्रकार जगाधरी के सेक्टर 17 में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल के उपमण्डल अभियंता अंकित कुमार व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक जिला परिषद के कार्यकारी अभियंता नरेश ढिल्लों, थाना गांधीनगर में रोजगार विभाग के जिला रोजगार अधिकारी अरूण कुमार व सब डिविजन आईटीआई उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपमण्डल अभियंता ब्रिजेश कुमार ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

ये अधिकारी रहेंगे तैनात

जिलाधीश प्रीति ने बताया कि थाना शहर यमुनानगर में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक पशुशल्य चिकित्सक सुखबीर व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक कृषि विभाग के उपमंडल अधिकारी अजय कुमार, थाना शहर जगाधरी में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक सरस्वती हैरिटेज जगाधरी के उपमंडल अधिकारी अंकुश कुमार तैनात रहेगें। सदर यमुनानगर में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयुष विभाग के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय सिंह रावल व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक सब डिविजन मॉडल टाउन उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपमण्डल अभियंता अमित कुमार, सदर जगाधरी में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक लोक निर्माण विभाग के उपमण्डल अभियंता दलबीर राठी व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक जगाधरी कार्यालय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के बीएओ संतोष कुमार तैनात रहेंगे। फरकपुर थाना में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक जिला खेल अधिकारी कार्यालय के फुटबॉल कोच भूपिन्द्र सिंह व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक जिला सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के कार्यालय अधीक्षक राजिन्द्र कुमार, व्यासपुर में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक पंचायती राज व्यासपुर के उपमण्डल अधिकारी रणधीर सिंह व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक खण्ड शिक्षा अधिकारी व्यासपुर नरेश कुमार तैनात रहेगें। साढौरा में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपमण्डल अभियंता मो. जफर इकबाल खान व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक पशुपालन एवं डेयरी विभाग साढौरा कार्यालय के पशुशल्य चिकित्सक डॉ. विक्रांत, थाना छप्पर में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एडीओ (गन्ना) आशीष कुमार सासन व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एडीओ सरावां हरपाल तैनात रहेंगे। छछरौली में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के बीएओ हरिन्द्र कुमार व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के उपमण्डल अधिकारी जसविन्द्र सिंह, प्रतापनगर में सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयुष विभाग देवधर के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार व रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के उपमण्डल अधिकारी नवीन कुमार रंगा ड्यूटी पर तैनात रहेगें।

खबर संक्षेप

12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर 2026 को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी इस नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते है।

एसआईआर : 86.42% फॉर्म हुए डिजिटाइज

कुरुक्षेत्र। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत कुरुक्षेत्र जिले में एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने का कार्य पूरा हो गया। अब 31 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद मतदाता 31 जुलाई से 30 अगस्त तक अपने क्षेत्र के सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एआरओ) के समक्ष दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। उपायुक्त ने बताया कि अब तक 6,77,377 एन्यूमरेशन फॉर्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं, जो कुल मतदाताओं का 86.42 प्रतिशत है।

मुल्तान सभा के अध्यक्ष बने एडवोकेट संदीप मदान

कुरुक्षेत्र। मुल्तान सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष के रूप में एडवोकेट संदीप मदान ने विधिवत कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मुख्य उद्देश्य मुल्तान सभा को सामाजिक उत्थान और लोकभलाई के कार्यों में नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। अध्यक्ष संदीप मदान ने कहा कि मुल्तान सभा का इतिहास सदैव समाज सेवा के प्रति समर्पित रहा है और वे इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समाज के हर वर्ग के लिए कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता दीनानाथ अरोडा, भीम चावला, पूर्व प्रधान मक्खन लाल रल्हन, राकेश अरोड़ा पूर्व प्रधान, विक्की मेहता पूर्व प्रधान, वीरभान अत्रेजा आदि मौजूद रहे।

डॉ. जसमेर बने डीएवी स्कूल के नए मैनेजर

पिहोवा। डीएवी पब्लिक स्कूल पिहोवा में नवनियुक्त मैनेजर डॉ. जसमेर सिंह नैन ने शनिवार को पौधारोपण कर विधिवत अपना कार्यभार ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने पौधारोपण अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की ओर से डॉ. जसमेर सिंह नैन का स्वागत किया गया विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन एवं अधिवक्ता शिव दर्शन मुरार ने कहा कि डीएवी संस्था केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के विकास का भी कार्य करती है। उन्होंने कहा कि डॉ. नैन के नेतृत्व में विद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

धान के लिए बनी वरदान, जलभराव पर नजर रखने की सलाह

मेघों की मेहरबानी: आधे घंटे की झमाझम बारिश ने दी गर्मी से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र/पिहोवा

शनिवार को सुबह से ही सूर्य और बादलों के बीच लुकाछिपी का खेल चलता रहा। दोपहर के समय अचानक आसमान में घने बादल छा गए और करीब आधे घंटे तक जोरदार बारिश हुई। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के बाद अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट से लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश थमने के बाद बाजारों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लोग सुहावने मौसम का आनंद लेते नजर आए। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश धान की फसल के लिए लाभदायक साबित होगी। बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी बनी रहेगी, जिससे सिंचाई की आवश्यकता कम होगी और फसल की बढ़वार में मदद मिलेगी। हालांकि किसानों को खेतों में जलभराव की स्थिति पर नजर रखने की सलाह भी दी गई है। उधर धर्मनगरी पिहोवा में पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था। लोग भीषण गर्मी से राहत मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आज सुबह से ही लगभग 2-3 घंटे तक आसमान में बादल छाए रहे, जिससे बारिश की संभावना लगातार बनी हुई थी।

ठंडी हवाओं से मौसम बना खुशनुमा

दोपहर के समय आखिरकार इंद्र देव मेहरबान हुए और धर्म नगरी में हल्की 10 मिनट ही बारिश हुई। बारिश शुरू होते ही मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने भीषण गर्मी से राहत की सांस ली। ठंडी हवाओं और फुहारों ने वातावरण को खुशनुमा बना दिया। बारिश के दौरान बाजारों में भी अलग ही रौनक देखने को मिली। राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। दुकानदारों ने भी मौसम में आए इस बदलाव का स्वागत किया और कहा कि लंबे समय बाद गर्मी से कुछ राहत मिली है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में इसी तरह बारिश होती रही तो तापमान में और गिरावट आएगी तथा लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिलेगी। हल्की बारिश ने न केवल मौसम को सुहावना बनाया, बल्कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान भी बिखेर दी।

कांग्रेस ने निकाला विजय जुलूस

छात्रों की जीत लोकतंत्र और युवाओं के संघर्ष की जीत : मेवा सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी कुरुक्षेत्र की ओर से छात्रों के समर्थन में विजय जुलूस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने किया। इस अवसर पर थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा, पिहोवा विधायक मंदीप चट्ठा, शाहाबाद विधायक रामकरण काला, जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी, अग्रणी नेता, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और छात्र मौजूद रहे। विजय जुलूस अग्रवाल धर्मशाला, रेलवे रोड, कुरुक्षेत्र से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर जाकर संपन्न हुआ। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छात्रों के समर्थन में जोरदार नारे लगाए और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा युवाओं के अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने कहा कि आज की जीत केवल छात्रों की जीत नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और युवाओं के संघर्ष की जीत है।

पेपर लीक के विरोध में आजाद समाज पार्टी का डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। पेपर लीक के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले एक महीने से जारी छात्र आंदोलन के समर्थन में शनिवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कुरुक्षेत्र स्थित उपायुक्त (डीसी) कार्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस द्वारा आंदोलनरत छात्रों पर किए गए कथित लाठीचार्ज और दमनात्मक कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। प्रदर्शन के उपरांत राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से सौंपा गया, जिसमें छात्र हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा छात्रों के अटूट संघर्ष की जीत : डॉ. खैहरा

कुरुक्षेत्र। देश की राजधानी स्थित ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर अपने बेहतर भविष्य और हक की लड़ाई लड़ रहे निर्दोष छात्रों और युवाओं पर हुए बर्बर लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए युवा जेजेपी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह खैहरा ने कहा कि इस अमानवीय घटना ने भारतीय लोकतंत्र को पूरी तरह शर्मसार कर दिया है। अपने अधिकारों और न्याय के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठा रहे देश के नौजवानों पर इस तरह का अत्याचार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. खैहरा ने कहा, /"धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के लाखों-करोड़ों जागरूक छात्रों, युवाओं और संघर्षरत नौजवानों की बुलंद आवाज, एकजुटता और ऐतिहासिक संघर्ष की बड़ी जीत है।

सीबीएसई इन-हाउस प्रशिक्षण में शिक्षकों ने सीखे लाइफ स्किल के गुर

कुरुक्षेत्र। बी.आर. इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दिशा-निर्देशों के तहत इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का विषय लाइफ स्किल रहा, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक जीवन कौशलों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन दीपिका अरोड़ा ने अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता के आधार पर शिक्षकों को जीवन कौशलों के महत्व, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा कक्षा शिक्षण में प्रभावी समावेशन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशलों की अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से समझा। इस अवसर पर शिक्षकों ने अपने अनुभव भी साझा किए तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में लाइफ स्किल्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया। विद्यालय के चेयरमैन दीपक चोपड़ा ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने दीपिका अरोड़ा का आभार व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं तकनीकों को अपने दैनिक शिक्षण कार्य में प्रभावी ढंग से अपनाने का आह्वान किया।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कारगिल विजय दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन विवेकानंद सदन द्वारा किया गया । 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने कारगिल की ऊंची चोटियों से घुसपैठियों को खदेड़कर विजय प्राप्त की थी। उसी ऐतिहासिक दिन को याद करने के लिए विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। छात्रों ने देशभक्ति गीत, कविता पाठ, भाषण और /"कारगिल की गाथा/" नामक भाषण। /"ए वतन मेरे वतन/" और /"संदेशे आते हैं/" गीतों पर हुए नृत्य की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सोमनाथ ने मुख्य उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीरों ने हमें सिखाया कि देश सर्वोपरि है। भारतीय सेवा के जवानों ने बर्फीली चोटियों पर लड़कर यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय सेना का हौसला अडिग है। हमें उनके आदर्शों पर चलकर अनुशासन, मेहनत और ईमानदारी से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। शिक्षा ही सबसे बड़ी देशसेवा है।/" उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें और देश का नाम रोशन करें।

मनीषा बंसल बादल ने संभाली मुख्य पोस्टमास्टर जनरल की कमान

कुरुक्षेत्र। भारतीय डाक सेवा (आईपीओएस) की 1999 बैच की वरिष्ठ अधिकारी मनीषा बंसल बादल ने 16 जुलाई 2026 को हरियाणा सर्कल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और प्रशासनिक दक्षता के लिए पहचान रखने वाली मनीषा बंसल ने एमसीएम डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ से स्नातक तथा पंजाब विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में परास्नातक दोनों परीक्षाएं स्वर्ण पदक के साथ उत्तीर्ण कीं। सिविल सेवा परीक्षा पहले ही प्रयास में पास करने के बाद उन्होंने भारतीय डाक सेवा में उल्लेखनीय योगदान दिया। अपने लंबे प्रशासनिक करियर में उन्होंने करनाल में ग्रामीण क्षेत्रों तक बचत बैंक और ग्रामीण डाक जीवन बीमा सेवाएं पहुंचाकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई तथा वित्तीय समावेशन में योगदान के लिए आदर्श नागरिक पुरस्कार से सम्मानित हुईं। हरियाणा में निदेशक डाक सेवा रहते हुए उन्होंने सभी डाकघरों के कंप्यूटरीकरण और आधुनिकीकरण को नई गति दी, जबकि पंजाब में कोर बैंकिंग समाधान लागू कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नई दिल्ली में महाप्रबंधक (नागरिक केंद्रित सेवाएं एवं ग्रामीण व्यवसाय) के रूप में उन्होंने बीएसएनएल, एएमएफआई, सिडबी, पीएमईजीपी और ट्राई जैसी संस्थाओं के साथ महत्वपूर्ण समझौते कर डाक विभाग की सेवाओं का व्यापक विस्तार किया। उनके नेतृत्व में नागरिक-केंद्रित सेवाओं से विभाग के राजस्व में वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच 162 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कार्यभार संभालने के बाद मनीषा बंसल बादल ने हरियाणा सर्कल के सभी 11 डाक मंडलों की समीक्षा करते हुए सेवा गुणवत्ता, डिजिटल विस्तार, वित्तीय समावेशन और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विकासोन्मुख कार्ययोजना तैयार करने का संकल्प व्यक्त किया।

मनीषा बंसल।

ओपीएस संकल्प-2026 ने पकड़ी रफ्तार

शिक्षकों ने लिया पुरानी पेंशन बहाली का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन द्वारा चलाए जा रहे ओपीएस संकल्प-2026 अभियान के अंतर्गत आज जिला प्रधान डॉ. तरसेम कौशिक ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इस्माइलाबाद, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इस्माइलाबाद, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुराला तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानेसर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्राध्यापकों एवं शिक्षकों से संवाद कर पुरानी पेंशन योजना की बहाली के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया तथा सभी से ओपीएस बहाली का संकल्प लेने और हस्ताक्षर अभियान में भाग लेने का आह्वान किया। डॉ. तरसेम कौशिक ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा की मजबूत आधारशिला है। इस अवसर पर हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन कुरुक्षेत्र के चेयरमैन सतबीर कौशिक, ब्लॉक प्रधान संदीप तंवर, जिला वित्त सचिव अलीशेर, जिला वरिष्ठ उपप्रधान राजेंद्र भटला, राज्य सचिव परमजीत कौर, अनिल कुमार शर्मा, उप महासचिव संदीप फोगाट, सुमन गौतम, डॉ. बलवान, बलवान, बलविंदर सिंह, सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं शिक्षक साथी उपस्थित रहे। सभी ने पुरानी पेंशन बहाली के समर्थन में अपना संकल्प दोहराया तथा अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक शिक्षकों को इस जनजागरण अभियान से जोड़ने का आह्वान किया।

राजकीय विद्यालय हथीरा में लगाए पौधे

थानेसर। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हथीरा में इको क्लब लाइफ फार मिशन के तहत बच्चों को पौधे बांटे गए तथा स्कूल प्रांगण में पौधे लगाए गए। स्कूल में फलों, फूलों और इमारती लकड़ी के पेड़ पौधे रोपित किए गए हैं। कुछ पौधे पहले लगाए थे और कुछ आज कुल 125 पौधे लगाए गए हैं। इको क्लब लाइफ फार मिशन की इंचार्ज मैडम सुमन लता जी की देखरेख में पौधारोपण कार्य करवाया गया है। स्कूल स्टाफ सदस्यों में स्कूल इंचार्ज सूबे सिंह, परमजीत कौर, सुमन लता, सत्यवान ढाढा, विकास चौक्कर,रेनु डाबड़ा के साथ साथ पार्ट टाइम स्वीपर बलकार सिंह,मिड डे मील वर्कर हरप्रीत कौर, सुलोचना उपस्थित रहे।

बच्चों ने रंग-बिरंगी गतिविधियों में दिखाई प्रतिभा

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से मनाया 'येलो डे'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए 'येलो डे' का भव्य आयोजन किया गया,जिसमें बच्चों ने अत्यधिक उत्साह और उमंग के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया।'येलो डे' के अवसर पर सभी बच्चे घर से सुंदर पीले रंग के परिधान पहनकर विद्यालय पहुंचे, जिससे पूरा विद्यालय परिसर पीले रंग की छटा से खिल उठा। बच्चे अपने टिफिन में भी पीले फल और स्वादिष्ट पीला भोजन लेकर आए थे। दिनभर बच्चों ने खूब मस्ती की, संगीत की धुन पर नृत्य किया और कक्षा स्तर पर आयोजित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों ने डिस्पोजेबल कप्स की सहायता से चमकता हुआ सूरज बनाया, एलकेजी कक्षा के विद्यार्थियों ने पेपर टियरिंग तकनीक से सुंदर केला बनाया, यूकेजी कक्षा के विद्यार्थियों ने आकर्षक सूरजमुखी का फूल तैयार किया, प्रथम कक्षा के विद्यार्थियों ने क्राफ्ट पेपर से स्वीट कॉर्न बनाए और द्वितीय कक्षा के विद्यार्थियों ने आम की सुंदर आकृति बनाकर अपनी कलात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बी. डी. गाबा एवं प्रधानाचार्य देवेंद्र अरोड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पीले रंग का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि पीला रंग सूर्य की किरणों, सकारात्मकता, ऊर्जा, प्रसन्नता और ज्ञान का प्रतीक है, जो हमारे जीवन में नई उमंग, ताजगी और उत्साह का संचार करता है।

खेती में नई क्रांतिः प्राकृतिक खेती घटाएगी उत्सर्जन, बचाएगी पर्यावरण

कुरुक्षेत्र। कृषि क्षेत्र में बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच प्राकृतिक खेती को लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन संस्थान का एक महत्त्वपूर्ण शोध सामने आया है। विश्वविद्यालय की शोधार्थी नेहा कालोनिया ने डॉ. दीप्ति ग्रोवर, सहायक

नेहा कालोनिया

प्रोफेसर के निर्देशन में प्राकृतिक, जैविक एवं परंपरागत खेती के पर्यावरणीय प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन किया है। यह शोध प्रोडक्टिविटी एमिशन ट्रेड-ऑफ्स अक्रॉस कन्वेंशनल, ऑर्गेनिक एंड नेचुरल फार्मिंग इन राइस व्हीट सिस्टम्स ऑफ नॉर्थवेस्ट इंडिया शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन के अंतर्गत उत्तर-पश्चिम भारत के प्रमुख धान-गेहूँ उत्पादक क्षेत्रों कैथल, कुरुक्षेत्र एवं करनाल के 27 स्थानों पर वर्ष 2023-24 के दौरान परंपरागत, जैविक एवं प्राकृतिक खेती प्रणालियों का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया। अध्ययन में खेतों का सर्वेक्षण, मृदा के भौतिक एवं रासायनिक गुणों का विश्लेषण, फसल उत्पादकता के आँकड़ों का परीक्षण तथा कूल फार्म टूल के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आकलन किया गया। शोध के निष्कर्षों के अनुसार परंपरागत खेती में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन सर्वाधिक पाया गया, जबकि प्राकृतिक खेती पर्यावरणीय दृष्टि से सर्वाधिक अनुकूल सिद्ध हुई। धान की खेती में परंपरागत पद्धति की तुलना में प्राकृतिक खेती से लगभग 31.6 प्रतिशत तथा गेहूँ की खेती में 7.18 प्रतिशत तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई। जैविक खेती में भी उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी देखी गई।

कार्यक्रम अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद का दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

नव-निर्वाचित विद्यार्थियों ने संभाली नेतृत्व की बागडोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पिहोवा। छात्र परिषद का दायित्व ग्रहण समारोह में मौजूद शिक्षकगण व विद्यार्थी।

अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को वरिष्ठ एवं कनिष्ठ छात्र परिषद के दायित्व ग्रहण समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में नव-निर्वाचित छात्र-छात्राओं को विभिन्न दायित्व सौंपे गए तथा उन्हें विद्यालय, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पूरे परिसर में उत्साह, अनुशासन और गौरव का वातावरण दिखाई दिया। समारोह के दौरान वरिष्ठ वर्ग के लिए छात्र प्रमुख, छात्रा प्रमुख, अनुशासन प्रभारी, गतिविधि प्रभारी, क्रीड़ा प्रमुख, सदन कप्तान तथा सदन उपकप्तान सहित विभिन्न दायित्वों पर विद्यार्थियों का चयन किया गया। वहीं कनिष्ठ वर्ग में छात्र प्रमुख, छात्रा प्रमुख, क्रीड़ा प्रमुख, अनुशासन प्रभारी तथा विभिन्न सदनों के कप्तान एवं उपकप्तान को दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम में स्कूल चेयरपर्सन पूनम काहड़ा, प्रबंध निदेशक जन्नत काहड़ा, प्रधानाचार्य दुर्गेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को प्रतीक-चिह्न धारण कराते हुए उन्हें दायित्वों के प्रति सजग रहने और आदर्श नेतृत्व प्रस्तुत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर चेयरपर्सन पूनम काहड़ा ने कहा कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने आचरण, व्यवहार और कर्मों से दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव-निर्वाचित विद्यार्थी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे।

विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

एमडी जन्नत काहड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक सफल नेतृत्वकर्ता वही होता है, जो सभी को साथ लेकर चलता है। अनुशासन, समर्पण, परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता के मूल आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से हर परिस्थिति में अपने उत्तरदायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य दुर्गेश कुमार शर्मा ने कहा कि छात्र परिषद के पद सम्मान के साथ-साथ उत्तरदायित्व का भी प्रतीक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, सेवा-भाव, विनम्रता और उत्कृष्ट आचरण को अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यही गुण उन्हें भविष्य में सफल नागरिक और सक्षम नेतृत्वकर्ता बनाएंगे। समारोह के सफल आयोजन में गतिविधि प्रभारी श्रुति कालड़ा तथा क्रीड़ा विभाग के जरनैल सिंह, संदीप, अंजू और नेहा का विशेष योगदान रहा। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाने में राहुल और मनीष ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों के अनुशासन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विद्यालय की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहना की। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

खबर संक्षेप

एक्टिवा चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने नावल्टी चौक के पास से हुई एक्टिवा चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक्टिवा भी बरामद कर ली है। शिकायतकर्ता मोनू कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 जुलाई 2026 को किसी व्यक्ति ने उनकी एक्टिवा चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की गई थी। आरोपियों को अब जेल दिया गया है।

हेरोइन तस्करी मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। एंटी-नारकोटिक्स सैल की टीम ने नशा तस्करी के एक मामले में गहन तफ्तीश करते हुए संलिप्त एक अन्य मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि दिनांक 23 जुलाई 2026 को ल जांच टीम ने गश्त और चेकिंग के दौरान थाना सेक्टर-9 क्षेत्र से आरोपी गौरव और हिमांशु को 60 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी गौरव कुमार का रिमांड प्राप्त किया गया था जबकि हिमांशु को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया था। मामले की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए जांच टीम ने ठोस कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के एक और आरोपी को काबू किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोहित कुमार उर्फ घोडा निवासी घनौर, जिला पटियाला के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी से गहन पूछताछ कर मामले से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई हैं।

हेरोइन के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेश नगर पुलिस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक नशा तस्कर को हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजने में सफलता हासिल की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हेरोइन की एक खेप आने वाली है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ने गांव चांदपुरा मोड़ के पास से आरोपी को धर दबोचा। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 18 ग्राम 20 मिलीग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई। पकड़े गए आरोपी की पहचान गुरप्रीत सिंह वासी गांव उप्पल, थाना वेरोवाल, जिला तरनतारन, पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना महेश नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को रिमांड पर लिया गया है।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से विपक्ष को मिली संजीवनी

अंबाला। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर पिछले 32 दिन से लगातार छात्र आंदोलन कर रहे थे। आंदोलन कर रहे छात्रों के दबाव में आज केंद्रीय शिक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा दे दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को विपक्षी दल के ज्यादातर नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत करार दिया है। युवाओं की इस जीत पर विपक्षी दलों के तमाम नेता बेहद उत्साहित हैं। इस आंदोलन में देश के सभी विपक्षी दलों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया था। देश के सभी छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर मोर्चा खोल दिया था। जिसके चलते आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देने को मजबूर हो गए।

शिक्षकों के साथ छात्रों ने खालसा कॉलेज के पुस्तकालय का किया भ्रमण, ली जानकारी

बराड़ा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के राष्ट्रीय पठन दिवस एवं पठन माह अभियान के अंतर्गत लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन अधोया के

छात्र-शिक्षकों एवं स्टाफ ने एसएमएस खालसा लबाना कॉलेज के केंद्रीय पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देना, आधुनिक पुस्तकालय प्रणाली से परिचित कराना तथा डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग की जानकारी देना रहा। प्राचार्य डॉ. दिलप्रीत विर्क, पुस्तकालयाध्यक्ष सीमा सैनी एवं स्टाफ ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने पुस्तकालय की आधुनिक सेवाओं, डिजिटल सुविधाओंकी विस्तृत जानकारी दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

सुहाना होगा सफर, बिना बस बदले 9 घंटे में सीधे पहुंचे बांके बिहारी धाम

अंबाला से मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी एसी बस सेवा शुरू

प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से चलेगी, नौ घंटे के सफर के बाद दोपहर 2:30 बजे गंतव्य पर पहुंचेगी, जिलावासियों को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन जाने वाले श्रद्धालुओं को अंबाला से अब प्रतिदिन सीधी एसी बस सेवा का लाभ मिलेगा। विज के प्रयासों से बस सेवा अंबाला से प्रारंभ हो गई है जिसका श्रद्धालुओं को अत्याधिक लाभ मिलेगा क्योंकि अब तक अंबाला से मथुरा-वृंदावन के लिए कोई सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं ने परिवहन मंत्री अनिल विज का आभार भी व्यक्त किया है। मथुरा-वृंदावन के लिए एसी बस प्रतिदिन प्रातः 5:30 बजे से चलेगी जोकि नौ घंटे के सफर के बाद दोपहर 2:30 बजे गंतव्य पर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में बस रात्रि 8:30 बजे मथुरा से चलेगी जोकि नौ घंटे के सफर के बाद अंबाला पहुंचेगी। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से धार्मिक स्थली जाने के लिए यात्रियों को सुविधा उपलब्ध होगी। अंबाला ही नहीं बल्कि पंचकूला, यमुनानगर, हिमाचल प्रदेश आदि जगहों से भी यात्रियों को इस बस सेवा का लाभ मिलेगा तथा भजन-कीर्तन करते हुए श्रद्धालु श्रीकृष्ण स्थली जाएंगे। रोडवेज ने इस रूट के लिए दो बसें आरक्षित की हैं। दोनों बसें बारी-बारी से संचालित होंगी, जिससे सेवा नियमित बनी रहे। अभी तक अंबाला से मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा उपलब्ध नहीं थी, जिससे श्रद्धालुओं को कई बार बस बदलनी पड़ती थी। नई सेवा शुरू होने से यात्रियों का समय तो बचेगा ही, परेशानी भी कम होगी। बस सेवा के प्रारंभ होने से श्रद्धालु सूरज राणा, सुनील चोपड़ा, अजय कपूर, रमेश डांग, विशाल, विजय आदि ने परिवहन मंत्री अनिल विज का आभार व्यक्त किया है।

अंबाला। वृंदावन जाने वाली बस फोटो : हरिभूमि

इस रूट पर संचालित होगी बस सेवा

बस प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे अंबाला छावनी बस अड्डे से रवाना होगी जोकि करनाल, पानीपत होते हुए दिल्ली, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और पलवल से करीब 395 किलोमीटर की दूरी तय कर दोपहर लगभग 2:30 बजे वृंदावन और मथुरा पहुंचेगी। लगभग नौ घंटे की इस यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। बस में पेयजल के लिए कैंपर की व्यवस्था भी की गई है, जिससे यात्रियों को लंबी यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नियमित रूप से संचालित होगी एसी बस

परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से मथुरा-वृंदावन के लिए यह बस सेवा शुरू हुई है। बस नियमित रूप से संचालित होगी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्रा के दौरान आवश्यक स्थानों पर बस रुकने की सुविधा भी रहेगी। बस चलने से कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, पंचकूला और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को भी सीधा लाभ मिलेगा, क्योंकि पहले यात्रियों को दिल्ली या अन्य शहरों से बस बदलनी पड़ती थी, जिससे समय और धन दोनों अधिक खर्च होते थे। अब सीधी एसी बस सेवा शुरू होने से यात्रा पहले की तुलना में अधिक आसान, सुरक्षित और आरामदायक हो गई है।

दहेज प्रथा के खिलाफ पहल करे सैनी समाजः सुमन

अंबाला। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन का अभिनंदन करती महिलाएं।

- मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने समाज से किया आह्वान

हरियाणा न्यूज ▶▶| अंबाला

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने कहा कि सामाजिक कुरुतियों दहेज प्रथा व नशे के खिलाफ पूरे समाज को एकजुट होना होगा। सैनी भवन में समाज गौरव सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थी। इससे पहले उन्होंने दीपशिखा प्रज्वलित कर व महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने सैनी सभा के प्रांगण में पौधारोपण भी किया। सुमन सैनी ने सैनी सर्कल सभा द्वारा यहां पर आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि परिवार के बीच आकर मुझे काफी आनंद की अनुभूति हुई है। समाज यदि दृढ़ संकल्प ले तो बड़े से बड़ा बदलाव कर सकता है। सैनी समाज को ओर एकजुट होकर सर्व समाज हित के लिए कार्य करना है। दहेज प्रथा जैसी समस्या को समाप्त करने के लिए स्वयं अपने से पहल करनी है। न दहेज लेना है, न दहेज देना है। समाज द्वारा जब यह संदेश दिया जाएगा तो दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी। उपाध्यक्ष ने इस मौके पर यह भी कहा कि अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले द्वारा दी गई शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए हमें एकजुट होकर सभी बिरादरियों को साथ लेकर देश व प्रदेश हित के लिए कार्य करना है।

श्मशानघाट की मुख्य सड़क पर पानी जमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शहर के शमशानघाट की मुख्य सड़क पर जमा पानी की वजह से अब शवों को पैदल ले जाना भी मुश्किल हो गया है। इस सड़क की हालत इतनी खराब है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढे में जमा पानी की वजह से अंदर जाना किसी मुसीबत से कम नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने सड़क की वर्तमान स्थिति को अत्यंत चिंताजनक और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा की सड़क निर्माण कार्य की अव्यवस्था तथा निकासी व्यवस्था के अभाव के कारण पूरे मार्ग पर कई दिनों से पानी भरा हुआ है। विडंबना यह है कि पिछले कई दिनों से बरसात न होने के बावजूद पानी अब भी जमा हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन ने जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की है। प्रदेश कांग्रेस के डेलीगेट रहे रोहित जैन ने कहा स्थिति इतनी भयावह है कि शोकाकुल परिवारों के लिए अपने प्रियजनों के पार्थिव शरीर को श्मशान घाट तक ले जाना भी लगभग असंभव हो गया है। अंतिम यात्रा जैसी संवेदनशील घड़ी में लोगों को कीचड़, गंदे पानी और टूटी हुई सड़क से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के प्रति घोर उदासीनता का परिचायक है। उन्होंने ने कहा हम जिला प्रशासन को यह याद दिलाना चाहते हैं कि श्मशान घाट वह स्थान है, जहां जीवन के अंतिम पड़ाव पर हर व्यक्ति को आना है। इसलिए इस स्थान तक पहुंचने वाले मार्ग की उपेक्षा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। जो अधिकारी इस समस्या से आंखें मूंद रहे हैं उन्हें भी यह समझना चाहिए कि जीवन की अंतिम यात्रा का मार्ग सम्मानजनक और सुगम होना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।

अंबाला। सड़क पर जमा पानी से गुजरते लोग। फोटो : हरिभूमि

तत्काल प्रभाव से जल निकासी व्यवस्था की मांग

जैन ने प्रशासन से रामबाग श्मशान घाट जाने वाले मार्ग से तत्काल जलभराव समाप्त करने, सड़क निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर पूरा किए जाने , स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही सड़क का जब तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों हेतु सुरक्षित एवं सुगम वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने ने कहा की यदि प्रशासन ने शीघ्र इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया, तो स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर जनहित में लोकतांत्रिक ढंग से आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

राजनीतिक प्रतिशोध की मंशा से ब्लॉक अध्यक्ष को निगम ने भेजा नोटिस : निर्मल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के विधायक निर्मल सिंह ने नगर निगम द्वारा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विनोद धीमान को जारी किए गए नोटिस को सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज़ को प्रशासन के सहारे दबाने की कोशिश किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सत्ता किसी की जागीर नहीं होती। न ही हमेशा एक जैसी रहती है। जो लोग सत्ता के नशे में चूर होकर प्रशासन का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को डराने और झुकाने के लिए कर रहे हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि जनता सब देख रही है और लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता ही करती है। निर्मल सिंह ने कहा कि अंबाला शहर में सत्ता के संरक्षण में कारोबारियों,व्यापारियों, कर्मचारियों और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाने का माहौल तैयार किया जा रहा है। नगर निगम के माध्यम से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद धीमान को नोटिस भेजना इसी राजनीतिक मानसिकता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई किसी नियम के पालन से अधिक राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा विधानसभा में अंबाला शहर की उठाई गई मांगों का प्रचार विनोद धीमान करता है और सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं प्रशासनिक विफलताओं को जनता के सामने रखता हैं। यदि जनता की आवाज़ उठाना अपराध है, तो कांग्रेस पार्टी इस अपराध को आगे भी पूरी मजबूती से करती रहेगी। विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा कि विनोद धीमान अकेले नहीं हैं। उनके साथ मैं स्वयं, अंबाला शहर की कांग्रेस और हजारों कार्यकर्ता चट्टान की तरह खड़े हैं। किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता को राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार बनाया गया तो उसका लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जोरदार जवाब दिया जाएगा।

विधायक निर्मल।

- विधायक बोले प्रशासन विपक्ष की आवाज दबाने का कर रहा है प्रयास

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

आर्थिक अपराध शाखा ने विदेश भेजने के नाम पर 6.80 लाख की ठगी करने वाला एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अब आरोपी को रिमांड पर लिया है। आर्थिक अपराध शाखा के जांच अधिकारी सहायक उप-निरीक्षक जसमहेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता परमजीत सिंह निवासी शिव प्रताप नगर, महेश नगर ने 14 मई 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार 5 जून 2025 से 14 मई 2026 के दौरान आरोपी विवेक उर्फ वरुण व उसके अन्य साथियों ने उसकी पुत्री को विदेश भेजने का झांसा देकर 6,80,000 छह लाख अस्सी हजार रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने न तो उसकी पुत्री को विदेश भेजा और न ही पैसे वापस किए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी विवेक उर्फ वरुण को गिरफ्तार किया था। आरोपी के कब्जे से 2,00,000 की नकदी बरामद कर उसे न्यायिक हिरासत (जेल) भेज दिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी विवेक ने मामले में अपने अन्य साथी राहुल की संलिपता का खुलासा किया था। इसके बाद आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी राहुल को भी गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेश के सभी स्कूलों में सप्ताह में एक दिन गूंजेगा राज्य गीत : जसवींद्र सिंह

- मंडौर विद्यालय में आज प्रात कालीन सभा में हुआ सामूहिक गायन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देशों के अनुपालन में राजकीय उच्च विद्यालय मंडौर में शनिवार को प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान पूरे उत्साह और गरिमामय वातावरण में राज्य गीत का सामूहिक गायन किया गया। विद्यालय परिसर प्रदेशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव की भावना से ओत प्रोत नजर आया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को राज्य गीत का महत्व बताते हुए उसके इतिहास और निर्माण की पूरी जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ शिक्षाविद रामपाल शास्त्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्य गीत की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राज्य गीत केवल एक गीत नहीं बल्कि प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं, वीरता, मेहनतकश जीवनशैली और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अपने राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ना प्रत्येक विद्यार्थी का कर्तव्य है। विद्यालय इंचार्ज जसविंद्र सिंह ने बताया कि शिक्षा निदेशालय के आदेशानुसार अब प्रत्येक सप्ताह एक दिन प्रार्थना सभा में राज्य गीत का सामूहिक गायन कराया जाएगा।

अंबाला। बच्चे लोक गीत का सामूहिक गायन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यह लोकतांत्रिक लड़ाई की सफलताः चित्रा

अंबाला। युवा नेत्री चित्रा सरवारा ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत का प्रतीक है। यह उन विद्यार्थियों, युवाओं

और नागरिकों की शांतिपूर्ण, संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक लड़ाई की सफलता है, जिन्होंने अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखा। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि जब जनता संगठित होकर संविधान के दायरे में रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करती है, तो सबसे सशक्त सत्ता को भी जनभावनाओं का सम्मान करना पड़ता है। यह केवल एक व्यक्ति के पद छोड़ने का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनता की आवाज की ताकत का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर देश का युवा केंद्र सरकार के खिलाफ हुंकार भर चुका है। देश में पेपर लीक के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार देश के बच्चों को अच्छी देने में विफल साबित हो रही है। केंद्र सरकार ने युवाओं के बुलंद हौसले के सामने घुटने टेक दिए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आंदोलन के 32वें दिन इस्तीफा दे दिया।

छात्रों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीतः विनोद धीमान

अंबाला। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रधान विनोद धीमान ने इसे देश के करोड़ों छात्रों, युवाओं और लोकतांत्रिक संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि यह अहंकार पर जनशक्ति की विजय है। उन्होंने ने कहा कि उन 22 छात्रों की याद पूरे देश के सामने है जिन्होंने नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण के बाद निराशा और मानसिक तनाव के बीच अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि वे छात्र अब कभी वापस नहीं आ सकते, लेकिन धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उन परिवारों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने की दिशा में एक प्रतीकात्मक कदम है।

देशभक्ति, ज्ञान, संस्कार और संकल्प से ओत-प्रोत रहा संपूर्ण स्कूल परिसर

कारगिल दिवस देश के प्रति संकल्प लेने का दिन : डॉ. राधा

डीएवी पब्लिक स्कूल में छात्रों ने विविध देशभक्ति गतिविधियों से दर्शाई राष्ट्रभक्ति की भावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी सीनियर सैकेंडरी पब्लिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक विविध देशभक्ति गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय का प्रत्येक कोना तिरंगे की आन, वीर सैनिकों के सम्मान तथा राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा, ज्ञान और भावनाओं के माध्यम से कारगिल के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तनु प्रिया ने बताया कि हिंदी साहित्य क्लब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम तीन दिनों तक लगातार चलता रहा जिसमें कक्षा छठी से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए सैनिकों के नाम पत्र लेखन गतिविधि व भारतीय सशस्त्र सेनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें भारतीय थल सेना, नौसेना, वायु सेना, सैन्य इतिहास, वीरता पुरस्कारों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने ज्ञान और देश के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। 25 जुलाई को विद्यालय की प्रार्थना सभा में इस अवसर पर कक्षा सातवीं एवं आठवीं की छात्राओं दिशिता एवं मान्या ने अपने प्रभावशाली भाषण और ओजस्वी कविता-पाठ से कारगिल के वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। मंजू सचदेवा के मार्गदर्शन में प्री-नर्सरी विंग में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक विजय का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प लेने का दिवस है।

अंबाला। कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ मौजूद छात्र

सशस्त्र सेना में महिलाओं को अवसर की दी जानकारी

गतिविधि प्रभारी गौरी वंदना ने विशेष रूप से छात्राओं को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं के लिए उपलब्ध बढ़ते अवसरों की जानकारी दी। प्रार्थना सभा में सबसे भावपूर्ण क्षण वह रहा जब प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर कारगिल के अमर शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी ने देश की सीमाओं की सुरक्षा, राष्ट्र की अखंडता तथा प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रसेवा की भावना जागृत रहने की प्रार्थना की। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी ने हिंदी साहित्य क्लब के प्रभारी शिक्षकों हरदीप कौर , सुमन शर्मा, राज चांनना, सभी समन्वयकों, गतिविधि प्रभारियों तथा सहयोगी शिक्षकों को इस सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए हार्दिक साधुवाद दिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 जुलाई 2026

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

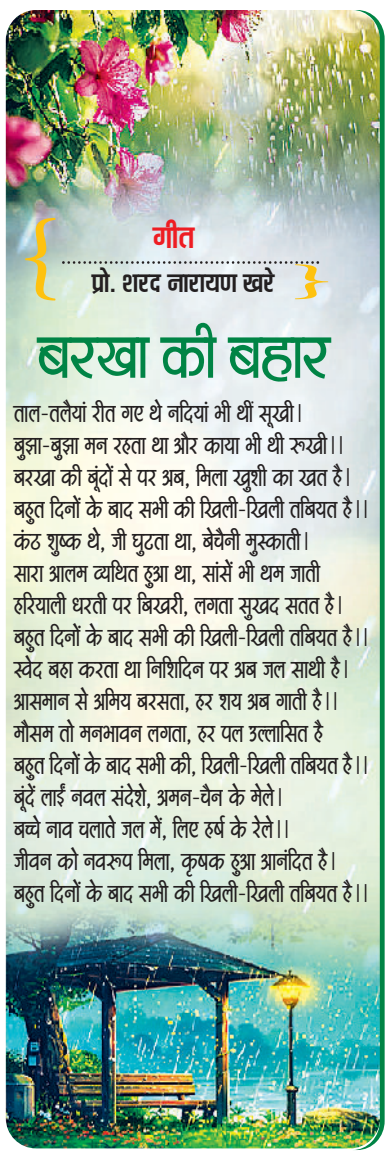

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

मिनी और अन्य कहानियाँ
अवधेश प्रीत

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हरियाली से ढंकी वादियों वाला कुर्ग

कर्नाटक राज्य में स्थित कुर्ग, दक्षिण भारत का सबसे विख्यात मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जुलाई-अगस्त के महीने में यह स्थान कोहरे से ढंके कॉफी प्लांटेशनों, पानी से भरे झरनों और हरे-भरे जंगलों में तब्दील हो जाता है। इन्हीं महीनों में ही यहां कक्काडा का कोडव माह भी पड़ता है, जब बांस, जंगली मशरूम और मेडिसिनल यूज वाली मड्डु थोप्प पत्तियां, स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा बन जाती हैं। आप यहां पहाड़ों में लॉन्ग ड्राइव करते हुए ऐबी फाल्स, राजा की सीट और दुबारे एलीफैंट कैंप पर रुक सकते हैं या प्लांटेशन स्टे में रहकर बारिश का आनंद ले सकते हैं। *

शांत-मनमोहक हिल स्टेशन भंडारदरा

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत हिल स्टेशन है भंडारदरा। यह सह्याद्री की पहाड़ियों में प्रवारा नदी के किनारे बसा हुआ है और अपने शानदार झरनों, प्राचीन किलों और हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है। यह मुंबई से लगभग 185 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से गाड़ी द्वारा यहां पहुंचने में करीब 4 से 4.5 घंटे का समय लगता है। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक विल्सन डैम, प्रवारा नदी पर बना भारत के सबसे पुराने बांधों में से एक है। बारिश के मौसम में विल्सन डैम से गिरता हुआ पानी बिल्कुल छतरी जैसा आकार बनाता है, इसीलिए इसे अंब्रेला फॉल कहते हैं। यहां स्थित रंधा फॉल को 'इंडियन नियाग्रा फॉल्स' भी कहा जाता है, जो एक गहरी खाई में लगभग 170 फीट की ऊंचाई से गिरता है। इस धुंध भरे मौसम में भंडारदरा में कैंपिंग का भरपूर आनंद ले सकते हैं। *

{ सीजनल ट्रैवलिंग / समीर चौधरी }

जुलाई-अगस्त के महीनों में जहां देश के अधिकांश हिस्से बारिश से सराबोर रहते हैं, वहीं कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल, इस मौसम में और भी मोहक और आकर्षक हो जाते हैं। कहीं फूलों की घाटियां खिल उठती हैं, तो कहीं झरने, जंगल, पहाड़ और धुंध पर्यटकों को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां देश के ऐसे ही कुछ शानदार मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं।

मानसून में घुमक्कड़ी के लिए बेस्ट ये अमेजिंग ट्रैवल डेस्टिनेशंस

हिमालय की गोद में बसी फूलों की घाटी

जुलाई-अगस्त में उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी, जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में लिस्टेड है, भी खिलने लगती है। हजारों अल्पाइन फूल पश्चिम हिमालय की गोद में बसी इस वादी को रंगों के इंद्रधनुष में बदल देते हैं। यह खूबसूरत घाटी साल में सीमित समय (1 जून से 31 अक्टूबर) के लिए ही खुलती है क्योंकि यह अधिकतर समय बर्फ से ढंकी रहती है। फूलों की घाटी की सैर करते हुए आप हेमकुंड साहिब भी जा सकते हैं जो एक सिख धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल है और इसी मौसम में दर्शन के लिए खुलता है। *

सुंदर-मनमोहक लैंडस्केप तवांग

अरुणाचल प्रदेश में तवांग की यात्रा करने के लिए भी सबसे अच्छा महीना जुलाई-अगस्त ही है। ऊंचाई पर बसे इस शहर में तापमान ठंडा रहता है और हरे-भरे पहाड़ी लैंडस्केप आकर्षित करते हैं। सेला पास, माधुरी झील और बुम-ला का कुदरती सौंदर्य आप कभी नहीं भूल पाएंगे। अगर मौसम खराब न हो तो कुछ समय 17वीं शताब्दी में निर्मित तवांग मठ में भी अवश्य गुजारें। यह भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है। इसके साथ ही यहां फूलों भरी घाटियां और घुमावदार ग्लेशियर झीलें भी दर्शनीय हैं। *

जन्नत जैसा लाहौल-स्पीति

हिमाचल प्रदेश में पहले लाहौल और स्पीति के रूप में दो अलग-अलग जिले थे, लेकिन अब इन्हें मिलाकर एक जिला लाहौल-स्पीति कर दिया गया है। जुलाई के महीने में इस क्षेत्र में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है, क्योंकि बर्फ पिघलना आरंभ हो जाती है और सड़कों पर चलना संभव हो जाता है। एडवेंचर पसंद करने वालों, प्रकृति प्रेमियों और शहरी जीवन की तेजी व शोर-शराबे से बचने वालों के लिए लाहौल-स्पीति जुलाई-अगस्त के महीनों में जन्नत जैसा हो जाता है। इस समय मौसम इतना सुहावना होता है कि ठंड का एहसास तक नहीं होता और गर्मी लगने का तो सवाल ही नहीं उठता है। सबसे अच्छी बात यह है कि लाहौल-स्पीति, रेन शैडो एरिया है, जिसका अर्थ है कि यहां जुलाई में न के बराबर बारिश पड़ती है, इसलिए जब देश के बाकी हिस्सों में मानसून अपने चरम पर होता है तो उससे बचने के लिए लाहौल-स्पीति में आनंदमय शरण ली जा सकती है। *

कांवड़ यात्रा शिवभक्ति के साथ संकल्प-श्रद्धा की पावन यात्रा

कंधों पर कांवड़, पैरों में छाले और जुबां पर सिर्फ एक ही उद्घोष- हर-हर महादेव। सावन आते ही सड़कों पर उमड़ता आस्था का यह जनसैलाब, सदियों पुरानी उस परंपरा की कहानी कहता है, जहां आस्था, त्याग और शिवभक्ति साथ-साथ चलते हैं।

{ आस्था / शिखर चंद जैन }

शिव आराधना का सबसे पावन और कठिन अनुष्ठान है कांवड़ यात्रा। श्रावण मास की शुरुआत से ही चारों ओर 'बम-बम भोले', 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई देने लगती है। केसरिया वस्त्र पहने लाखों श्रद्धालु कांवड़िए पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, मानसिक संकल्प और शारीरिक सहिष्णुता का जीवंत प्रतीक है। ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर, केवल शिव भक्ति में लीन होकर एक ही दिशा में कदम बढ़ाना इस यात्रा को अलौकिक और अद्वितीय बनाता है।

कांवड़ यात्रा की शुरुआतः कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर कई धार्मिक-पौराणिक कथाएं एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को सबसे पहला कांवड़िया माना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास 'पुरा महादेव' नाम के दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। परशुराम जी ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर इस शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। उस समय श्रावण मास चल रहा था। तभी से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला, तो ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और उनका शरीर तपने लगा। शिव जी के शरीर की जलन को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया। रावण द्वारा वैद्यनाथ धाम में गंगाजल लाकर शिव जी को अर्पित करने की कथा भी प्रचलित है।

कांवड़ यात्रा की महत्ताः यात्रा के दौरान कांवड़िए मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और अपशब्दों से पूरी तरह दूर रहते हैं। बिना जूते-चप्पल के पैदल चलना सहनशीलता सिखाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से गंगाजल लाकर शिव जी का अभिषेक करता है, उसकी सभी सांसारिक बाधाएं दूर हो जाती हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

कई प्रकार की कांवड़ यात्राएं

सामान्य कांवड़ः इसमें कांवड़िए आराम से यात्रा करते हैं। वे रास्ते में बने शिविरों में रुक सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और सो सकते हैं। रुकने के दौरान कांवड़ को स्टैंड या पेड़ पर टांगा जाता है।

डाक कांवड़ः इसमें जल भरने के बाद कांवड़िया बिना रुके लगातार दौड़ता या तेज चलता है। यदि कोई डाक कांवड़िया थक जाता है, तो उसकी टीम का दूसरा सदस्य कांवड़ लेकर दौड़ना शुरू करता है।

खड़ी कांवड़ः इस यात्रा में कांवड़ को हमेशा गति में रखना होता है। यदि कांवड़िया आराम करता है, सोता है तो उसकी जगह किसी दूसरे सहयोगी को कांवड़ को अपने कंधे पर लेकर खड़े रहना या चलना पड़ता है।

दंडी कांवड़ः इसमें श्रद्धालु नदी से जल भरने के बाद शिव मंदिर तक की पूरी दूरी साष्टांग प्रणाम करते हुए पूरी करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने में हफ्तों या महीनों का समय लग जाता है।

प्रसिद्ध कांवड़ यात्राएंः भारत में दो सबसे बड़ी कांवड़ यात्राएं आयोजित होती हैं। पहली हरिद्वार यात्रा, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश या गौमुख से गंगाजल भरते हैं। ये श्रद्धालु वापस आकर अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। दूसरी सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा। इस यात्रा में श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेते हैं और देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। *

जंगलों के नायक-रक्षक फॉरेस्ट रेंजर

जंगली जानवरों ही नहीं वन संपदा की सुरक्षा करने और उन्हें संवर्धित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका फॉरेस्ट रेंजर्स की होती है। ये किस-किस तरह की भूमिकाएं निभाते हैं, इस बारे में आपको भी जानना चाहिए।

{ भूमिका / शैलेंद्र सिंह }

जब भी भारत के बाघों की बढ़ती संख्या, एशियाई शेरों और काजीरंगा के गैंडों की सुरक्षा या हाथियों के संरक्षण की बात होती है, तो सुर्खियों में अकसर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और सरकारी योजनाएं होती हैं। लेकिन इन सफलताओं के पीछे ऐसे हजारों चेहरे भी होते हैं, जिनका नाम शायद ही कभी सुर्खियां बनता हो। ये हैं हमारे फॉरेस्ट रेंजर और फ्रंट लाइन वन सुरक्षाकर्मी। ये वो लोग होते हैं, जो हर मौसम, हर परिस्थिति और हर खतरे के बीच जंगलों की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। यही कारण है कि 31 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस केवल एक औपचारिक दिवस भर नहीं है, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

निभाते हैं कई भूमिकाएंः वन या फॉरेस्ट रेंजर का काम केवल जंगल में गश्त लगाना भर नहीं है, उसकी जिम्मेदारी वास्तव में किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा करनी पड़ती है, अवैध शिकार पर नजर रखनी होती है, लकड़ी की तस्करी रोकनी होती है, जंगल में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाना होता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में लोगों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है और कई बार घायल वन्यजीवों के बचाव अभियान में भी हिस्सा लेना पड़ता है। मतलब यह एक ऐसी नौकरी है, जिसमें हर दिन एक नहीं बल्कि कई तरह की चुनौतियों से निपटना होता है।

कठिनाइयों में निभाते दायित्वः एक वन रेंजर का दिन अकसर सूर्योदय से पहले शुरू हो जाता है। वह कई किलोमीटर तक पैदल गश्त करता है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ाई करता है। घने जंगलों में घंटों तक निगरानी करता है और रात में भी सतर्क रहना पड़ता है। यह सब उसके काम का हिस्सा है। बरसात, भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड, प्रकृति का कोई भी मौसम उसकी जिम्मेदारी को कम नहीं करता बल्कि कई बार उसे ऐसे इलाकों में काम करना पड़ता है, जहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं करता।

हर क्षेत्र में सक्रियः निःसंदेह आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा जंगली बाघों वाला देश है। लेकिन यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियां बना देने भर का परिणाम नहीं है बल्कि उन वन कर्मियों की सतत मेहनत का भी नतीजा है, जो कैमरा ट्रैप की निगरानी करते हैं, जंगल में गश्त करते हैं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं और शिकारियों के खिलाफ कार्यवाई करते हैं। गुजरात में एशियाई शेरों की सुरक्षा का सवाल हो, असम में एक सींग वाले गैंडों का संरक्षण हो या दक्षिण भारत के हाथी गलियारों की निगरानी करनी हो, हर जगह वन रेंजर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

बढ़े हैं नए दायित्वः हाल के कुछ सालों में वन रेंजरों का कार्यक्षेत्र और भी ज्यादा व्यापक हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में वन रेंजर अब केवल वन्यजीवों के संरक्षक भर नहीं हैं बल्कि पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने वाले अग्रिम प्रहरी भी बन गए हैं। वे जंगलों की स्थिति का आंकलन करते हैं, जलस्रोतों की निगरानी करते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर संरक्षण योजनाओं को लागू करते हैं। तकनीक ने इनके काम को नई दिशा दी है। आज कैमरा ट्रैप, ड्रोन, जीपीएस आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग, रेडियो कॉलर, सैटेलाइट मैपिंग और एआई जैसे उपकरण वन्यजीव संरक्षण में मदद कर रहे हैं। मगर ये सारी तकनीक सिर्फ सहायक हैं। अंतिम निर्णय और जोखिम उठाने का साहस केवल और केवल वन रक्षकों का ही होता है। इसलिए आज भी मौके पर त्वरित कार्यवाई वन रेंजरों की सूझबूझ और अनुभव के जरिए ही होती है।

रिस्क भी है बहुतः फॉरेस्ट रेंजर्स का काम जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जोखिम भरा भी है। कई बार उन्हें हथियाबंद शिकारियों और वन माफिया का भी सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जंगली हाथी, बाघ, तेंदुए या भालू जैसे वन्यजीवों से अचानक सामना भी जानलेवा हो सकता है। जंगल की आग, बाढ़, भू-स्खलन और विषैले जीव-जंतु भी उनकी राह में कई तरह के जानलेवा रोड़े अटकाते हैं। यह अकारण नहीं है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में वन रेंजर ड्यूटी के वक्त अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व रेंजर दिवस वास्तव में ऐसे ही बहादुर वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। *

एक्टिंग की दुनिया में विक्रांत मेसी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। टीवी से शुरू हुआ विक्रांत का सफर फिल्म और वेब सीरीज तक पहुंच चुका है। हर किरदार में कुछ नया तलाशने वाले विक्रांत इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। यहां प्रस्तुत है इस वेब सीरीज और एक्टिंग करियर पर विक्रांत मेसी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

लवस्टोरी बेस्ड बहुत दिलचस्प वेब सीरीज है 'मुसाफिर कैफे': विक्रांत मेसी

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

विक्रांत मेसी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उसके बाद विक्रांत ने फिल्मों में काम शुरू किया। उनको फिल्म '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कई वेब सीरीज में भी विक्रांत मेसी ने अलग-अलग तरह का अभिनय करके दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मेसी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही विक्रांत इस सीरीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। 'मुसाफिर कैफे' में उनका काम करने का अनुभव कैसा रहा? इसके अलावा अपने एक्टिंग करियर से जुड़े कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए विक्रांत मेसी ने।

रोमांटिक वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में आप एक्टर होने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। इस वेब सीरीज को प्रोड्यूस करने और इसमें अभिनय करने का खयाल आपके मन में कैसे आया?

एक एक्टर की हमेशा ख्वाहिश होती है कि उसे अच्छी कहानी पर काम करने का या अभिनय करने का मौका मिले। मेरी भी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं या जो भी किरदार निभाऊं, उसमें मुझे कुछ अलग कुछ नया करने का मौका मिले। ऐसे में जब मुझे 'मुसाफिर कैफे' वेब सीरीज का ऑफर आया तो मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी, लिहाजा मैंने इस वेब सीरीज में एक्टिंग करने के साथ-साथ बतौर सह निर्माता भी नई शुरुआत की। चूंकि यह सीरीज नेटफ्लिक्स की है और मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहले भी काफी काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगा कि मैं 'मुसाफिर कैफे' प्रोड्यूस भी करूं। यह लवस्टोरी पर बेस्ड बहुत ही दिलचस्प सीरीज है, जिसमें पहाड़ों में रोमांस दिखाया गया है।

'मुसाफिर कैफे' के एक सीन में को-एक्ट्रेस के साथ विक्रांत मेसी

'मुसाफिर कैफे' में रोमांस को दो तरीके से दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जवानी की शुरुआत के दौरान का प्यार है, जो हमें प्यार करना सिखाता है और दूसरी तरफ एक ऐसा भी प्यार है, जो सच्चे प्यार की अहमियत समझाता है। इन दोनों में से कौन-सा प्यार आपको आकर्षित करता है?

मेरे खयाल में अगर जिंदगी का तजुर्बा हासिल करना है तो दोनों प्यार का अनुभव पाना जरूरी है। एक बार प्यार में दिल टूटने के बावजूद अगर आपको दूसरा प्यार मिल जाता है तो इसके बाद आपको सच्चे प्यार की परख होती है। और यह फर्क तभी पता चलता है, जब आप दोनों प्यार की अच्छाई-बुराई का अनुभव करते हैं। जवानी में होने वाला प्यार आपको खुशी देता है, तो एक उम्र के बाद मैच्योरिटी में मिला प्यार आपको सुकून देता है। यही इस सीरीज में दिखाया गया है। इस सीरीज की कहानी दिव्य प्रकाश दुबे की नॉवेल पर बेस्ड है।

इस सीरीज में एक्टिंग के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभालना आपके लिए कितना मुश्किल या कितना आसान रहा?

सच कहूं तो मुझे तकनीकी पक्ष की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन शरण्या राजगोपाल जैसी सक्षम लेखिका और टेरीबली टिनी टेल्स जैसे बेहतरीन प्रोडक्शन पार्टनर की वजह से बतौर निर्माता मेरे लिए काम करना आसान हो गया। इनके साथ काम करने के बाद मुझे प्रोडक्शन या तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी। अगर दमदार कहानी हो, अच्छी स्क्रिप्ट और पूरी तैयारी हो तो आपको सेट पर जाकर काम करना आसान हो जाता है।

आपने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करके बड़े पर्दे पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। '12वीं फेल' के लिए तो आपको राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं?

राष्ट्रीय पुरस्कार पाना एक कलाकार के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। जब मुझे पता चला कि मुझे '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। बाकी जहां तक टीवी से फिल्म और फिल्म से वेब सीरीज तक अभिनय सफर की बात है तो वह मुश्किल भी रहा और मजेदार भी, क्योंकि आपको जब कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता का मजा चखने का मौका मिलता है तो एक अंदरूनी खुशी होती है। जिसे बयां नहीं किया जा सकता है।

काम के प्रति आपका उत्साह, आपकी लगन और ऊर्जा आज भी बरकरार है। आपके प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सवाल किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *